Literacy for a Billion

Movie: Kucch Naa Kaho
Year: 2003

Song: Achhi Lagati Ho
Lyricist: Javed Akhtar

मुझे तुम चुपके चुपके
जब ऐसे देखती हो
अच्छी लगती हो

कभी ज़ुल्फ़ों से
कभी आँचल से
जब खेलती हो
अच्छी लगती हो

मुझे देखके जब तुम
यूँ ठंडी आहें भरते हो
अच्छे लगते हो

मुझको जब लगता है
तुम मुझ पर ही मरते हो
अच्छे लगते हो

तुममें ऐ मेहरबाँ
सारी हैं ख़ूबियाँ
भोलापन सादगी
दिलकशी ताज़गी ...

दिलकशी तुम से है
ताज़गी तुम से है
तुम हुए हमनशीं
हो गई मैं हसीं
रँग तुमसे मिले हैं सारे

तारीफ़ जो सुनके

तुम ऐसे शरमा जाती हो
अच्छी लगती हो

कभी हँस देती हो
और कभी इतरा जाती हो
अच्छी लगती हो

मुझे देखके जब तुम
यूँ ठंडी आहें भरते हो
अच्छे लगते हो

खोए से तुम हो क्यों
सोच में गुम हो क्यों
बात जो दिल में हो
कह भी दो कह भी दो

सोचता हूँ के मैं
क्या पुकारूँ तुम्हें
दिलनशीं नाज़नीं
माहरू महजबीं
ये सब हैं नाम तुम्हारे

मेरे इतने सारे नाम हैं
जब तुम ये कहते हो
अच्छे लगते हो

मेरे प्यार में जब तुम
खोए खोए से रहते हो
अच्छे लगते हो

मुझे तुम चुपके चुपके
जब ऐसे देखती हो
अच्छी लगती हो

कभी जुल्फ़ों से
कभी आँचल से
जब खेलती हो

अच्छी लगती हो

अच्छे लगते हो
अच्छी लगती हो
अच्छे लगते हो
अच्छी लगती हो
अच्छे लगते हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.